3(Sem-8/FYUGP)BNC(A)/DSCI

2025

HINDI

(Discipline Specific Core)

Paper Name: हिंदी साहित्य का इतिहास

Paper Code: **HIN-DSC-243**

Full Marks: 60

Time: Two and Half Hours

(*The figures in the margin indicate full marks for the questions*)

Answer ***either*** *in HIndi*

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए: **1x7=7**

क) ‘पृथ्वीराज रासो’ के रचयिता कौन हैं ?

ख) सूरदास रचित महाकाव्य का नाम क्या है ?

ग) आधुनिक काल का जनक किसे माना जाता है ?

घ) बिहारीलाल किस राजा के आश्रित कवि थे ?

ङ) भक्तिकाल की दो प्रमुख भक्ति-काव्यधाराएँ कौन-सी हैं ?

च) हिन्दी साहित्य के आदिकाल को ‘सिद्ध-सामन्त-काल’ किसने कहा था ?

छ) ‘सुजान-सागर’ किसकी रचना है ?

2. निम्नलिखित प्रश्नों में-से किन्हीं चार का अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए: **2x4=8**

क) सिद्ध साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

ख) कबीरदास की भाषा को ‘सधुक्कड़ी’ क्यों कहा जाता है ?

ग) रीतिकाल के किन्हीं दो आचार्य कवियों के नाम लिखिए।

घ) छायावाद के दो प्रतिनिधि कवियों के नाम लिखिए।

ङ) रामकाव्य के प्रमुख कवि और उनकी एक कृति का नाम लिखिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में-से किन्हीं तीन का संक्षिप्त उत्तर दीजिए: 5x3=15

क) हिन्दी साहित्य के प्रारंभिक काल को 'आदिकाल' कहना कहाँ तक उचित है ?

ख) रामकाव्य और कृष्णकाव्य की विषयवस्तु की तुलना कीजिए।

ग) रीतिकालीन राजनीतिक परिस्थिति पर प्रकाश डालिए।

घ) छायावाद की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

ङ) नाथ साहित्य का स्वरुप और उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में-से किन्हीं तीन का सम्यक उत्तर दीजिए: 10x3=30

क) आदिकाल की नामकरण की सार्थकता पर विचार कीजिए।

ख) संतकाव्य और सूफ़ीकाव्य की प्रमुख विशेषताओं का विवेचन करते हुए प्रमुख कवि और उनकी रचनाओं का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

ग) रीतिकाल के नामकरण और सीमांकन पर अपना विचार प्रस्तुत कीजिए।

घ) खड़ीबोली गद्य के उद्भव और विकास में प्रमुख लेखकों का योगदान पर विस्तृत रूप से आलोकपात कीजिए।

ङ) हिन्दी गद्य साहित्य को भारतेन्दु हरिश्चंद्र की देन का उल्लेख कीजिए।

****